LESSON ONE

पाठ एक

THE BEGINNING OF ALL CREATION

समस्त सृष्टि का आरंभ

उत्पत्ति अध्याय 1 तथा 2 पढ़ें। ये हमें संसार की सृष्टि तथा उसमें विद्यमान सब वस्तुओं के विषय में बताती हैं।

भाग एक : सत्य (स) या असत्य (अ)

_____ बाइबिल की शुरूआत, परमेश्वर की उत्पत्ति के विवरण से होती है।

_____ परमेश्वर ने स्वर्ग तथा पृथ्वी को छह सामान्य दिनों में बनाया।

_____ परमेश्वर का न आदि न अंत है।

_____ मनुष्य, परमेश्वर के स्वरूप में, धर्मी तथा निष्पाप सृजा गया।

_____ मनुष्य की सृष्टि, पशुओं के ही सुधरे रूप में की गई।

_____ विकासवादी सिद्धांत, बाइबिल की सृष्टि की कहानी से मेल खाता है।

_____ नारी, पुरूष की सहयोगी होने के लिए सृजी गई।

_____ परमेश्वर की सृष्टि दोषरहित तथा सुंदर थी।

_____ मनुष्य पापपूर्ण हृदय के साथ सृजा गया।

_____ परमेश्वर की भलाई के लिए हमें उसके प्रति धन्यवादित होना चाहिए।

भाग दो : सही उत्तर पर निशान लगाएँ

1. परमेश्वर कब से विद्यमान है ?

_____ वह सृष्टि के आरंभ में उत्पन्न हुआ।

_____ वह सदाकाल से विद्यमान है।

_____ बाइबिल हमें इसके विषय में नहीं बताती है।

2. इस संसार की सृष्टि किस प्रकार हुई।

_____ विकास की प्रक्रिया के द्वारा।

_____ परमेश्वर ने इसकी सृष्टि की।

_____ ब्रह्माण्ड में अकस्मात विस्फोट (Big Bang Theory) के द्वारा।

3. परमेश्वर को स्वर्ग तथा पृथ्वी की सृष्टि में कितना समय लगा ?

_____ करोड़ों वर्ष।

_____ छह सामान्य दिन।

_____ एक अनिश्चित कालखंड।

4. संसार सृष्टि के समय कैसा था ?

_____ यह पहले से ही पापपूर्ण था ।

_____ यह दोषरहित था ।

_____ हम नहीं जानते हैं क्योंकि बाइबिल में इसका उल्लेख नहीं मिलता ।

5. पुरूष तथा नारी की सृष्टि में क्या विशेष बात थी ?

_____ परमेश्वर ने उन्हें जीवित आत्मा दिया ।

_____ वे पापरहित थे ।

_____ वे परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए थे ।

_____ चूंकि मनुष्य दोषरहित था, वह कभी भी पाप में नहीं पड़ सकता था ।

6. मनुष्य का कर्त्तव्य क्या था ?

_____ पृथ्वी पर प्रभुता करना तथा उसकी देखभाल करना ।

_____ जहाँ तक हो सके इस संसार से लाभ उठाना ।

_____ समस्त सृष्टि को परमेश्वर की ओर से भेंट के रूप में मानना ।

7. सृष्टि में परमेश्वर द्वारा की गई भलाई के कारण मनुष्य की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए ?

_____ उसे परमेश्वर के प्रेम के लिए धन्यवाद देना चाहिए ।

_____ उसे स्वयं पर और भी अधिक भरोसा करना चाहिए ।

_____ उसे परमेश्वर की स्तुति तथा आराधना करनी चाहिए ।

_____ उसे अपने व्यक्तिगत सुख के लिए सृष्टि का दुरूपयोग करना चाहिए।

भाग तीन : मनन तथा विचार विमर्श के लिए ।

1. जब हम उत्पत्ति 1:1 पढ़ते हैं तब कौन सी ऐसी बात है जिसे बाइबिल प्रमाणित करने का प्रयास नहीं करती है ? क्यों नहीं ?

2. परमेश्वर ने स्वर्ग तथा पृथ्वी की सृष्टि के लिए किस वस्तु का प्रयोग किया ? नर व नारी किस प्रकार सृजे गए ?

3. सृष्टि के छह दिन किस कारण विशेष महत्व रखते हैं ? ठीक इसी समय वे इतने साधारण क्यों हैं ?

4. परमेश्वर ने पुरूष व नारी को क्या दिया, जो उसने अपने द्वारा सृजी किसी अन्य वस्तु को नहीं दिया ?

5. जब परमेश्वर अपनी सृष्टि का कार्य समाप्त कर चुका, तब उसने उसके विषय क्या कहा ? उसकी सृष्टि कितनी अच्छी थी ?

6. परमेश्वर की यह अद्भुत सृष्टि हमें प्रत्येक दिन क्या करने का स्मरण दिलाती है ?

LESSON TWO

पाठ दो

THE PROMISE IS MADE

वाचा बांधी गई

उत्पत्ति का तीसरा अध्याय पढ़ें इस अध्याय में हम मानवजाति के पाप में पड़ने तथा एक उद्धारकर्ता भेजने की प्रतिज्ञा के विषय में पढ़ते हैं।

भाग एक : सत्य (स) या असत्य (अ)

_____ परमेश्वर ने आदम तथा हव्वा को दस आज्ञाएँ दीं।

_____ परमेश्वर ने उन्हें केवल एक आज्ञा दी कि वे भले या बुरे के ज्ञान के वृक्ष से फल न खाएँ।

_____ किसी भी प्रकार की अनाज्ञाकारिता का दंड मृत्यु ही है।

_____ चूँकि शैतान ने आदम तथा हव्वा को पाप करने के लिए प्रलोभित किया, इसलिए इसमें उनका कोई दोष नहीं था।

_____ चूँकि मनुष्य उसी समय नहीं मरा इसका अर्थ यह हुआ कि परमेश्वर ने अपना वचन पूरा नहीं किया।

_____ मनुष्य ने वर्जित फल खाने के द्वारा पाप किया।

_____ परमेश्वर ने मनुष्य को उसके पहले पाप के बाद और एक अवसर दिया।

_____ मनुष्य ने अपनी अनाज्ञाकारिता के द्वारा परमेश्वर के निर्दोष तथा धर्मी स्वरूप को खो दिया।

_____ मनुष्य, अदन की बारी से निकाल दिए जाने के द्वारा दंडित किया गया।

_____ मनुष्य के पाप में पड़ जाने के बाद परमेश्वर उसे भूल गया।

_____ मनुष्य के प्रति अपने प्रेम के कारण परमेश्वर ने उनके लिए उद्धारकर्ता भेजने की प्रतिज्ञा की।

_____ आदम और हव्वा के पाप के कारण अब समस्त मानव जाति पापपूर्ण दशा में उत्पन्न होती है।

भाग दो : सही उत्तर (या उत्तरों) पर निशान लगाएँ -

1. परमेश्वर ने किस उद्देश्य से मनुष्य को एक आज्ञा दी ?

_____ यह देखने के लिए कि क्या वह पाप करेगा।

_____ ताकि मनुष्य परमेश्वर के प्रति अपने प्रेम तथा आज्ञाकारिता को दर्शा सके।

_____ ताकि आज्ञाकारी होने के द्वारा मनुष्य और धर्मी बन सके।

2. आदम व हव्वा ने वर्जित फल क्यों खाया ?

_____ अदन की बारी में उनके आनंद के लिए अधिक कुछ नहीं था।

_____ वे शैतान के द्वारा परीक्षा में डाले गए।

_____ उन्होंने सोचा कि वे परमेश्वर के समान बुद्धिमान बन सकते हैं।

_____ वे नहीं जानते थे कि ऐसा करना गलत है।

3. पाप के क्या परिणाम थे ?

_____ वे तुरंत मर गए ।

_____ उन्होंने परमेश्वर के निर्दोष व धर्मी स्वरूप को खो दिया ।

_____ परमेश्वर ने उनसे फिर कभी बात नहीं की ।

_____ पाप ने उनको सदा के लिए परमेश्वर से अलग कर दिया ।

_____ उसके बाद से उनको वस्त्र धारण करने पड़े ।

4. परमेश्वर ने मानवजाति को कौन सी प्रतिज्ञा दी ?

_____ शैतान अब उन्हें फिर कभी हानि नहीं पहुंचाएगा ।

_____ उन्हें एक दूसरा अवसर दिया जाएगा ।

_____ कि एक उद्धारकर्ता उन्हें शैतान के अधिकार से मुक्त करेगा ।

_____ वे अब कभी नहीं मरेंगे ।

5. परमेश्वर ने उनसे एक उद्धारकर्ता की प्रतिज्ञा क्यों की ?

_____ उसने मानवजाति पर तरस खाया ।

_____ जो हुआ उसके लिए वह स्वयं को जिम्मेदार महसूस कर रहा था ।

_____ मानवजाति को पाप से बचाए जाने की कोई आशा नहीं थी ।

_____ परमेश्वर ने अपने बड़े प्रेम के कारण उनके लिए उद्धारकर्ता भेजने की प्रतिज्ञा की ।

भाग तीन : मनन तथा विचार - विमर्श के लिए ।

1. परमेश्वर ने मनुष्य के पालन करने के लिए केवल एक आज्ञा क्यों दी ?

2. आदम और हव्वा ने कौन से पाप किये ?

3. आदम और हव्वा द्वारा किए गए प्रथम पाप के क्या परिणाम हुए ?

4. मनुष्य की पापपूर्ण अनाज्ञाकारिता का एकमात्र उत्तर, उद्धारकर्ता के भेजे जाने की प्रतिज्ञा ही क्यों था ?

LESSON THREE

पाठ तीन

THE PROMISE IS KEPT

प्रतिज्ञा रखी गई

नए नियम में से लूका रचित सुसमाचार को पढ़िए। यहां हम यीशु मसीह के जन्म, जीवन, मृत्यु तथा पुनरूत्थान के विषय में पढ़ते है।

भाग एक : सत्य (स) या असत्य (अ)

_____ यीशु मसीह ही प्रतिज्ञा किया गया उद्धारकर्ता है।

_____ बहुत कम लोगों को आनेवाले उद्धारकर्ता की अभिलाषा व प्रतीक्षा थी।

_____ यीशु का जन्म, परमेश्वर की अनंत योजना के अनुसार हुआ।

_____ कोई नहीं जानता था कि मसीह का जन्म कहाँ हुआ।

_____ स्वर्गदूतों ने मसीह के जन्म की घोषणा, नम्र चरवाहों के सामने की।

_____ चरवाहों को इस बात से अधिक खुशी नहीं हुई कि मसीह का जन्म हुआ था।

_____ बालक यीशु भी सत्य परमेश्वर तथा सत्य मनुष्य था।

_____ यीशु केवल सच्चे विश्वासियों को बचाने के लिए आया।

_____ केवल गरीब तथा जरूरतमंद ही बचाए जाएंगे।

_____ यीशु ने यह प्रमाणित करने के लिए आश्चर्यचकर्म किए कि वह परमेश्वर का सर्वसामर्थी पुत्र है।

भाग दो : सही उत्तर (या उत्तरों) पर निशान लगाएँ -

1. उद्धारकर्ता के लिए सत्य परमेश्वर होना क्यों आवश्यक था ?

_____ क्योंकि मनुष्य स्वयं को नहीं बचा सकता था।

_____ केवल परमेश्वर ही पूर्ण रीति से व्यवस्था का पालन कर सकता था।

_____ बाइबिल के अनुसार उद्धारकर्ता सत्य परमेश्वर होगा।

2. उद्धारकर्ता के लिए सत्य मनुष्य होना भी क्यों आवश्यक था ?

_____ उसे व्यवस्था के अधीन जन्म लेना आवश्यक था जिससे कि वह उसका पालन कर सके।

_____ उसे पापपूर्ण अवस्था में जन्म लेना आवश्यक था।

_____ बाइबिल ने इसकी भविष्यवाणी की थी।

3. मसीह का जन्म बैतलहम के एक गौशाले में क्यों हुआ ?

_____ सर्वप्रथम वह गरीबों को बचाने के लिए आया था।

_____ परमेश्वर ने पुराने नियम के नबियों द्वारा इसकी भविष्यवाणी की थी।

_____ परमेश्वर चाहता था कि वह पूर्ण रूप से नम्र अवस्था में जन्म ले।

_____ परमेश्वर इससे अधिक उन्हें और कुछ नहीं दे सकता था।

4. मसीह ने सब लोगों के लिए किस संदेश का प्रचार किया ?

_____ परमेश्वर ने उसे, सब पापियों को दंड देने के लिए भेजा था ।

_____ धनवान लोग बचाए नहीं जाएंगे ।

_____ जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह अनंत जीवन पाएगा ।

_____ कि परमेश्वर, प्रेम का परमेश्वर है ।

5. मसीह ने इतने आश्चर्यकर्म क्यों किए ?

_____ अपने प्रेम के कारण उसने लोगों की आवश्यकताओं को देखा तथा हर रीति से उनकी सहायता की ।

_____ वह चाहता था कि लोग उसे इस संसार में राजा बनाएँ ।

_____ वह यह प्रमाणित करना चाहता था कि वह परमेश्वर का सर्वसामर्थी पुत्र है ।

6. कौन लोग बचाए जाएंगे ?

_____ वे जो केवल मसीह पर विश्वास करते है ।

_____ वे जो मसीह पर विश्वास करते तथा भले कार्य करते हैं ।

_____ वे जो इस संसार में अपनी क्षमता भर अच्छा कार्य करने की कोशिश करते तथा सबसे प्रेम रखते हैं ।

भाग तीन : मनन तथा विचार-विमर्श के लिए

1. यीशु को अपने एकमात्र उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करने के लिए यहूदियों के पास अब कोई बहाना क्यों नहीं था ?

2. यदि उद्धारकर्ता को सत्य मनुष्य होना अवश्य था तो परमेश्वर ने मनुष्यजाति से ही किसी एक को क्यों नहीं चुना ?

3. परमेश्वर ने अपने सर्वशक्तिमान सामर्थ से मानवजाति को क्यों नहीं बचा लिया ?

4. परमेश्वर का वचन सुनने वालों को मसीह पर विश्वास करने से रोकने के लिए शैतान इतना अधिक प्रयास क्यों करता है ?

5. यदि यीशु मानव जाति को पाप से बचाने के लिए आया, तब उसने इतने सारे आश्चर्यकर्म क्यों किए ?